भजन

तुम्हारी प्यारी नजर से मैं प्यार करती हूँ
रही जो सांसे तुम पर निसार करती हूँ

1–नजर नजर से जब मिली थी पहली बार पिया
उसी नजर के नजारों को याद करती हूँ

2– ये मेरी नजरें तो हर तरफ तुम्हीं को देखती हैं
नजर जो आए हो नजरों में बंद करती हूँ

3– नजर का खेल है नजरों से ही दिखाते हो
नजर फिराओगे झुक कर प्रणाम करती हूँ